नन्हा चिलय गा दोस्त...

कोरकू

रावेन्द्र कुमार 'रवि'

कला: कनक शशि

एकलव्य

ORACLE

नन्हा चिलय गा दोस्त...

रावेन्द्र कुमार 'रवि'
कला: कनक शशि

एकलव्य

ORACLE

नन्हा चिलय गा दोस्त...

एक चित्रकथा

नन्हे चूज़े की दोस्त... (कोरकू)

Nanhe Chuje Ki Dost (KORKU)

कहानी: रावेन्द्र कुमार 'रवि'

कला: कनक शशि

हिन्दी से कोरकू अनुवाद: रायसिंग बारस्कर, जानकी अखण्डे, प्रेमबती शैलू (शाहपुर)

संयोजन: खेमप्रकाश यादव, राजेन्द्र देशमुख. आकाश मालवीय, हेमराज मालवीय, निदेश सोनी, अशोक हनोते, सुनील हनोते, रामकुमार सरोज।

सम्पादकीय व उत्पादन सहयोग: इन्दु श्रीकुमार व कमलेश यादव

यह किताब हिन्दी व कोरकू भाषा में भी उपलब्ध है

संस्करण: जनवरी 2025 (1000 प्रतियाँ)

कागज़: 100 gsm मैपलिथो व 220 gsm एफबीबी (कवर)

ISBN: 978-81-19771-26-4

मूल्य: ₹ 30.00

ORACLE ओरेकल के वित्तीय सहयोग से विकसित

प्रकाशक: **एकलव्य फाउंडेशन**

जमनालाल बजाज परिसर

जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)

फोन: +91 755 297 7770-71-72-73

वेबसाइट: www.eklavya.in; ईमेल: books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल; फोन: +91 755 268 7589

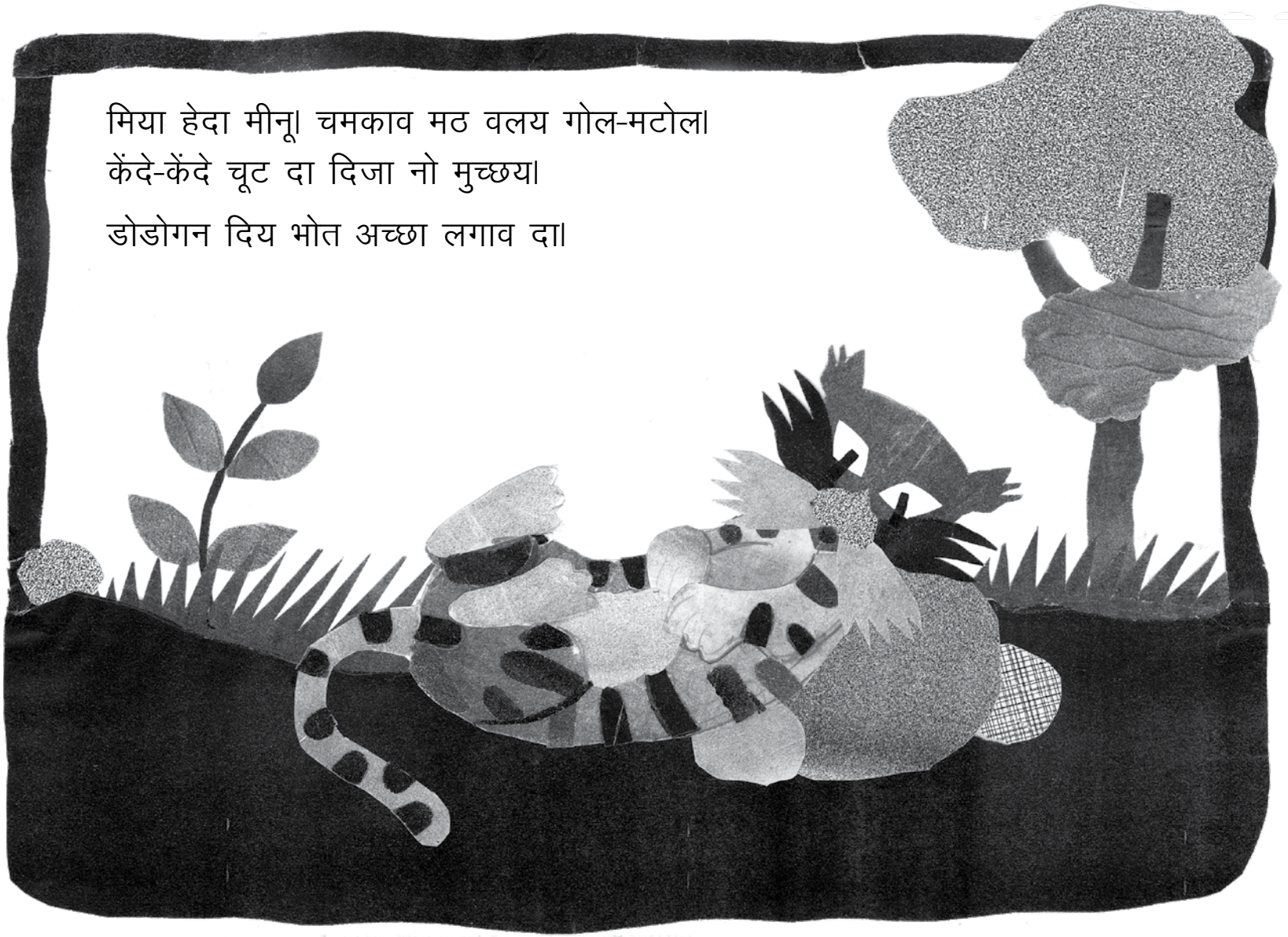
मिया हेदा मीनू। चमकाव मठ वलय गोल-मटोल।
केंदे-केंदे चूट दा दिजा नो मुच्छय।
डोडोगन दिय भोत अच्छा लगाव दा।

मीनू रोज भुन्सरा शिकार गा लिए ऊरा ते ओलोड यू दा। दिय पूची, कुयाली नो हल्का चिड़िया गा शौकीन दा। कभी-कबार डेड्डा नो तिर्री के भी जोमिया कय यो।

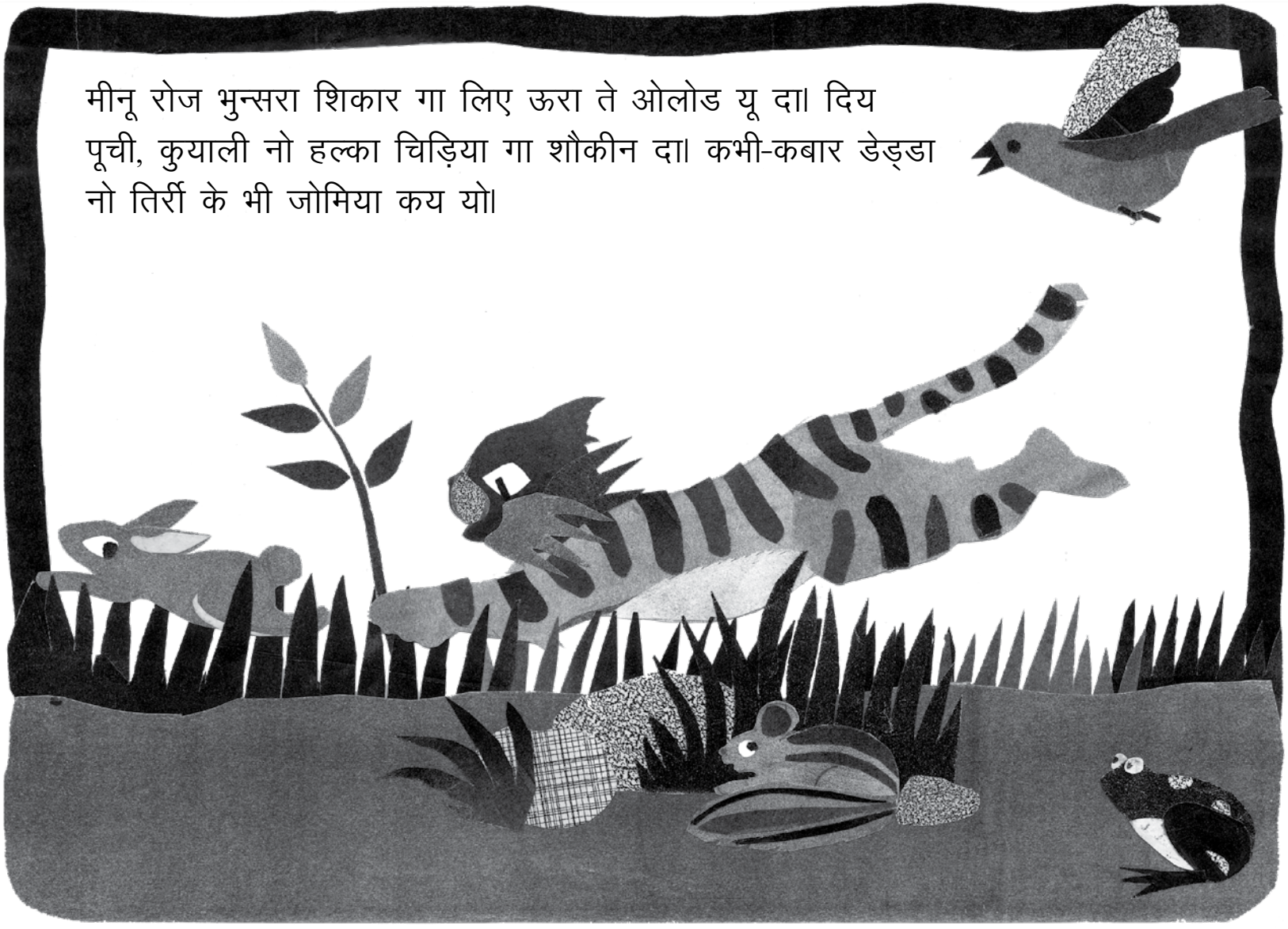

मिया भुन्सरा मिया नन्हा-मुन्ना, नरम पोनी घंय चिलय एकला का ख्याल दा। दिय दिकूके डाबू गा लिए दबाव टंगड़ा ते दिजा और बढ़ाव लजे। जब दिय दिजा धिरीन आदिर ये मके चिलय दिक्के डो ते जरा सा भी हिग्रा दू।

चिलय पहली बार मीनू डोवन दा। दिय दिजन भोत अच्छा लगावकन। चिलय किलकारी भेरती लज्जे। चूँ-चूँ-चूँ-चूँ दाते मीनू गा उफून का अंगोन हिन्दाड़ी लज्जे। दिय चौवला का मीनू गा चूट डाबू गा कोशिश ददावो नो कभी मुच्छय।

मीनूगन भी दिजा गा शरारत भोत मन भवावन दिय भी
म्याऊँ-म्याऊँ ते चिलय गा सातोन ख्याल लज्जे।

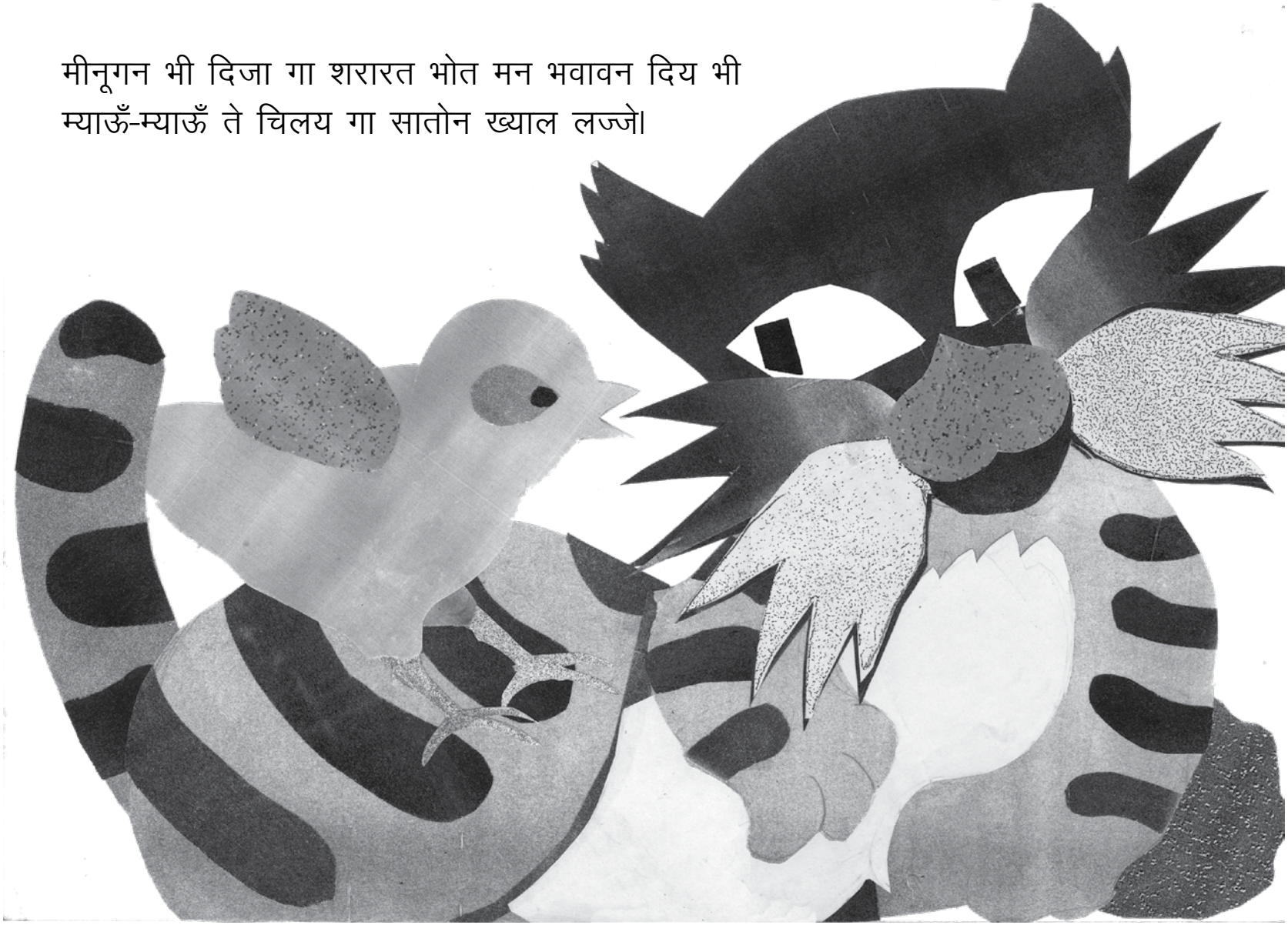

चिलय नो मीनू ख्यालन मगन दा। तब का सीम माइते दरन हायन। दिक दिया गंडा के मीनू गा सातोन ख्याल डोते घबरावयन।

सीम समझाव लके दा मीनू चिलय के जोमिया कय कियो। घबराहटन दिय जाम लज्जे। मीनू ने सोचावन सीम के समझाव चाहिए कि हिन्दय चोइका आथाय हयबा। मीनू सीम गा अंगोन बढ़ावकन। चिलय उस्टाव ते मीनू गा भावड़ीन सुबांगयन। इनाका नी सीम और भी हिग्रायन।

मीनू सीमा ते हनवन, बंग, बंग हिग्रा बकी! बिलकुल भी बकी हिग्रा। इंग इनिक्के बंग जीजोम। इनीय नी भोत प्यारा होय। इयन भी इंजा ते प्यार दायन। चिलय उस्टाव ते माइते धिरीन हायन। सीम गा जानन जान हायन। सीम ने दिक्के मन भरती ते लाडोवन।

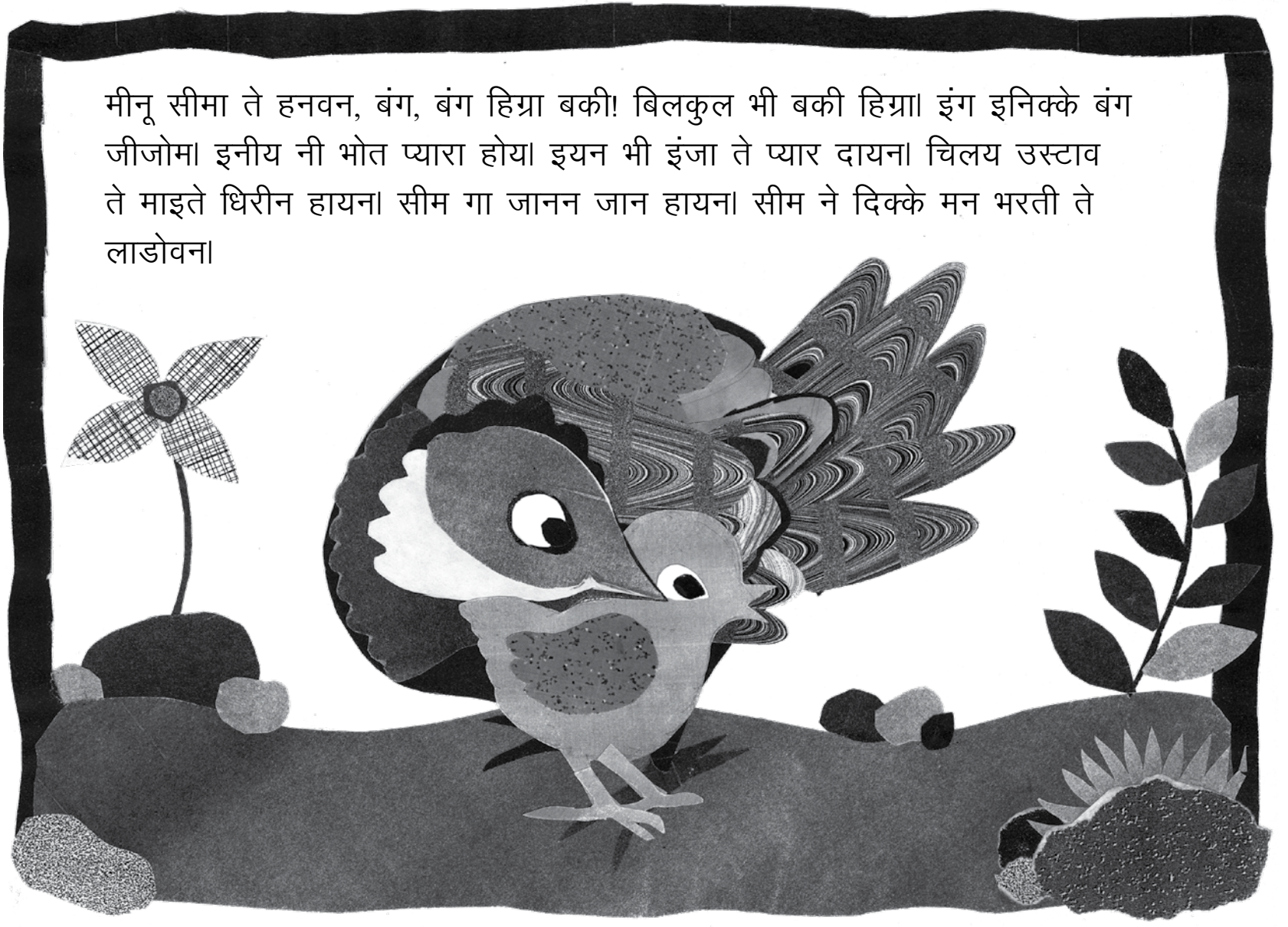

मीनू आय भी दरन का हेदा। चिलय सड़ूब ते फिरते मीनू गा धिरीन हायन नो हनवन, तैंई गा ते अम इंया दोस्त नो इंग अमा दोस्त।

मीनू के भोत अच्छा लगावकन मिन्ते नी धीरे-धीरे
सबकू का दिजा दोस्त हारूयन।

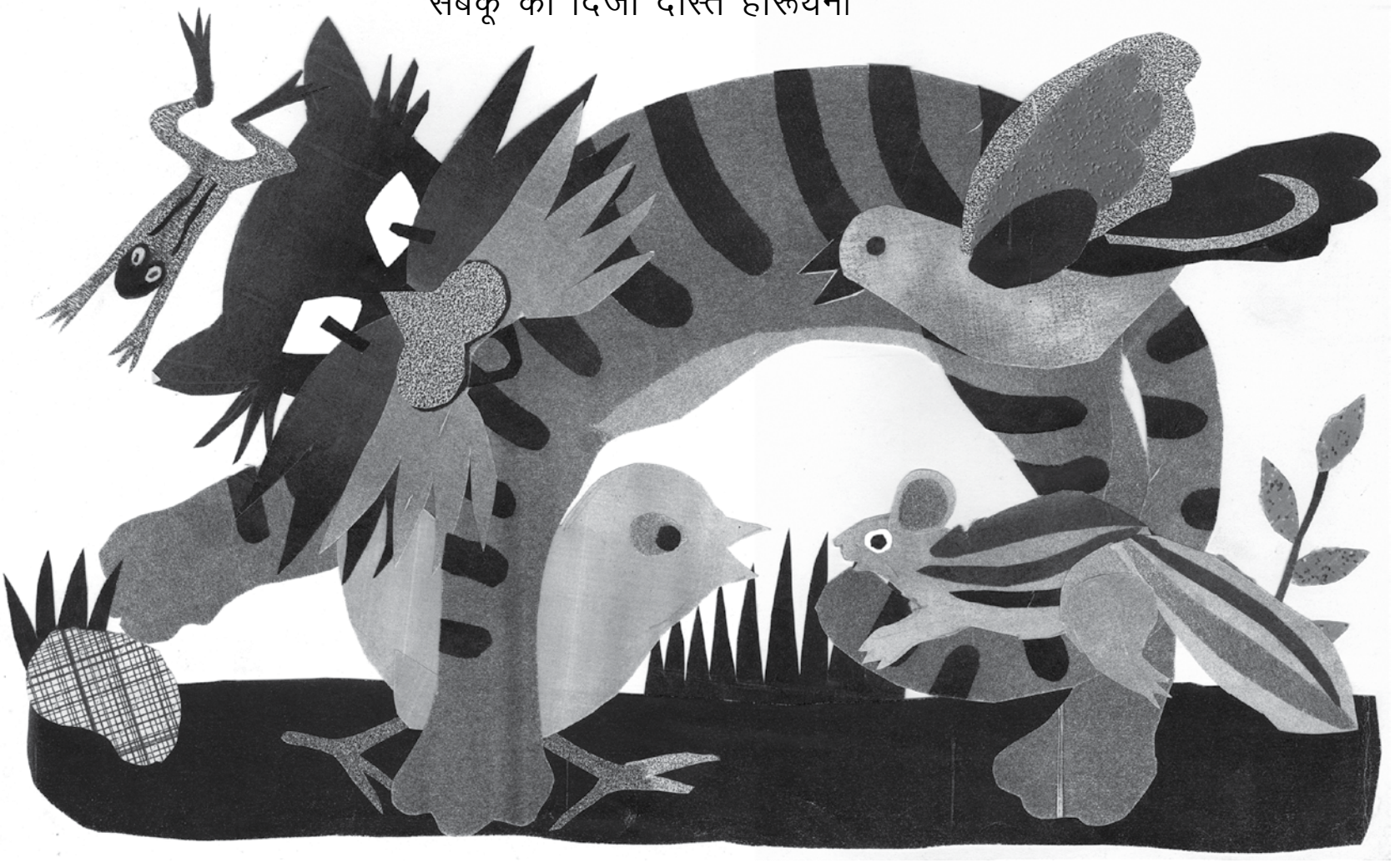

एकलव्य

मध्य प्रदेश में बैतूल क्षेत्र में बोली जाने
वाली कोरकू भाषा पर आधारित

मूल्य: ₹ 30.00

9 788119 771264

ORACLE